



महाप्रबंधक महोदय का शुभकामना संदेश

प्रिय पाठको,

देश की सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के रूप में महामहिम राष्ट्रपति के हाथों भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा निदेशालय का प्रतिष्ठित पुरस्कार पा चुकी हमारी अपनी गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' के माध्यम से आप सभी के साथ संवाद साधते हुए मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। इस लोकप्रिय पत्रिका के संरक्षक के रूप में आप सभी पाठकों को मैं नव वर्ष की हार्दिक बधाई देता हूँ और आप सभी के उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रकट करता हूँ।

मुझे खुशी है कि पश्चिम रेलवे चालू वित्तीय वर्ष के दौरान भी निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मुझे विश्वास है कि पिछले दो वित्तीय वर्षों की तरह इस बार भी हम विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का प्रदर्शन करेंगे और सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय रेलवे के रूप में प्रति वर्ष रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली पंडित गोविंद वल्लभ पंत शील्ड वर्ष 2012-13 के लिए भी हासिल कर लगातार तीसरे वर्ष इस प्रतिष्ठित सम्मान को हासिल करने का नया कीर्तिमान रचेंगे। उल्लेखनीय है कि सभी रेलकर्मियों के समर्पित प्रयासों के फलस्वरूप पश्चिम रेलवे ने दिसम्बर, 2012 तक लगभग 54 मिलियन टन माल का लदान करते हुए शानदार वृद्धि हासिल की है। इस अवधि के दौरान माल लदान से होने वाली आमदनी लगभग 6576 करोड़ रु. रही, जो पिछले वर्ष की आय से 29 प्रतिशत अधिक है। हमारी रेलवे पर कंटेनर एवं कोयले के परिवहन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। हमारी कुल प्रारम्भिक आमदनी लगभग 9521 करोड़ रु. रही है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के बजट में घोषित 25 नई ट्रेनों में से 18 ट्रेनें शुरू की जा चुकी हैं। मुंबई उपनगरीय खंड के अंतर्गत रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता के क्रम में पश्चिम रेलवे द्वारा अपनी सेवाओं का विस्तार दहानु रोड तक करने तथा 50 अतिरिक्त सेवाएँ उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है, जिनमें 15 डिब्बों वाली और लेडीज़ स्पेशल ट्रेनों की सेवाएँ भी शामिल हैं। कुल मिलाकर प्रगति के पथ पर पश्चिम रेलवे की विकास यात्रा निरंतर जारी है।

हम सभी के लिए यह प्रसन्नता की बात है कि हमारी गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' ने 'एसोसिएशन ऑफ बिज़नेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया' (एबीसीआई) द्वारा व्यावसायिक संचार के क्षेत्र में सृजनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रति वर्ष दिये जाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कारों के क्रम में वर्ष 2012 में दिये गये दो राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर एक बार फिर अपनी शानदार गुणवत्ता की यशस्वी पताका लहराई है। इनके अलावा देश की सुप्रसिद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'आशीर्वाद' द्वारा वर्ष 2012 के लिए चयनित देश की 5 सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिकाओं में 'रेल दर्पण' को शामिल कर पिछले दिनों आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री रमेश सिप्पी और मशहूर फिल्मकार श्री राजकुमार बड़जात्या के हाथों सम्मानित किया जाना भी हम सबके लिए एक बड़ी उपलब्धि रही है। इन शानदार उपलब्धियों के लिए मैं 'रेल दर्पण' के प्रधान सम्पादक श्री शरत चंद्रायन और उनकी समूची टीम का पश्चिम रेलवे परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन करता हूँ और भविष्य में भी उत्तरोत्तर सफलता के लिए मंगल कामनाएँ प्रकट करता हूँ।

मुझे खुशी है कि हमारी यह पत्रिका दिन-दिन लोकप्रियता के नये-नये सोपान तय कर रही है और न सिर्फ सभी क्षेत्रीय रेलों बल्कि मूर्धन्य पत्रकारों, साहित्यकारों और प्रतिष्ठित अखबारों द्वारा भी इसे व्यापक तौर पर सराहा जा रहा है। पत्रिका के संरक्षक के रूप में मेरा यह परामर्श है कि 'रेल दर्पण' पत्रिका अपने आगामी अंकों में रेल जीवन के अब तक अनछुए रहे ऐसे पहलुओं को शामिल करे, जिनका हमारे समाज और सामाजिक ताने-बाने के साथ सीधा सरोकार है। इसके लिए प्रख्यात साहित्यकारों की रेल जीवन पर आधारित रचनाओं का समावेश एक अच्छी पहल साबित होगी, क्योंकि पुरानी कहावत के मुताबिक साहित्य समाज का दर्पण होता है और हमारी रेल प्रणाली समाज के तमाम समुदायों को परस्पर भावनात्मक रूप से जोड़ने में एक अहम भूमिका निभाती है।

अंत में एक बार फिर मैं आप सभी पाठकों को नव वर्ष की बधाई देते हुए पश्चिम रेल संगठन और 'रेल दर्पण' पत्रिका के निरंतर उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभाकांक्षी,

(महेश कुमार)

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे